जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 348 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 13 जुलाई, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

'डिज़ाइन बॉक्स की सेवाएं लेना बंद करें'

राहुल गांधी के दफ्तर से मु.मंत्री गहलोत को निर्देशित किया गया

- मु.मंत्री अशोक गहलोत ने डिज़ाइन बॉक्स को डेढ़ सौ करोड़ रूपये का ठेका दिया था, राजस्थान सरकार के जनसम्पर्क अभियान को डिज़ाइन व क्रियान्वित करने के लिये।
- पर, डिज़ाइन बॉक्स द्वारा तैयार इस अभियान का फोकस पूरी तरह मु.मंत्री गहलोत पर है, चाहे, प्रमोशन फिल्म हो या टी.वी. विज्ञापन या अखबारों को भेजे गये विज्ञापन या होर्डिंग्स।
- जिस प्रकार प्र.मंत्री मोदी ने नारा दिया था, ''मोदी सरकार'', राजस्थान के अभियान का नारा लगता है, ''गहलोत सरकार''।
- डिज़ाइन बॉक्स द्वारा तैयार अभियान में कांग्रेस का नाम नहीं है, फोकस केवल और केवल अशोक गहलोत पर ही है।
- इसीलिये राजस्थान सरकार से हिमायत की गई कि, डिज़ाइन बॉक्स के विज्ञापन, पी.आर. अभियान को निरस्त करें। यह अभियान उस सोच के भी खिलाफ है, जो, वेणुगोपाल ने हाल ही में सुलह के बाद व्यक्त किया था।
- वेणुगोपाल ने कहा था, राजस्थान में चुनाव सामूहिक नेतृत्व में लड़ा जायेगा, तथा किसी एक नेता को प्रोजैक्ट नहीं किया जायेगा।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जुलाई। अशोक गहलोत जिस तरीके से राजस्थान की कांग्रेस सरकार को चला रहे है, उस पर राहुल गांधी लगातार अपनी अप्रसन्नता व्यक्त करते आ रहे हैं।

उच्च पदस्थ सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इसका ताजातरीन प्रमाण उस समय मिला, जब राहुल गांधी के कार्यालय ने अशोक गहलोत से कहा कि वे ''डिज़ाइन बॉक्स'' नामक उस प्राइवेट एजेंसी की सेवाएं लेना बंद कर दें, जो राज्य में कांग्रेस सरकार के जन-सम्पर्क संबंधी कार्य की देखभाल कर रही है।

गहलोत ने ''डिज़ाइन बॉक्स'' को 150 करोड़ रूपए की भारी-भरकम राशि पर इस काम के लिये अनुबंधित किया था।

रोचक बात यह है कि चाहे टी.वी., प्रिन्ट मीडिया पर प्रमोशनल फिल्म्स का मामला हो या सूचना-पट्ट और विज्ञापन-बोर्डों का विषय हो या और कोई भी मुद्दा हो, पूरे अभियान का केन्द्र बिन्दु अशोक गहलोत ही रहते हैं।

मोदी सरकार के नारे ''अबकी बार, मोदी सरकार'' की तर्ज़ पर राजस्थान सरकार का नारा है, ''अबकी बार, गहलोत सरकार''।

लेकिन कांग्रेस के किसी भी प्रकार के उल्लेख की बजाय, पूरा फोकस गहलोत और केवल गहलोत पर ही है।

अभी हाल ही में, दिल्ली में राजस्थान के विषय में हुई मीटिंग के बाद, के.सी. वेणुगोपाल ने एक प्रैस-कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुये, यह स्पष्ट कर दिया था कि विधानसभा चुनाव किसी चेहरे या नाम पर नहीं लड़े जायेंगे तथा किसी भी नेता को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजैक्ट नहीं किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

एकल पट्टा प्रकरण से सी.बी.आई जांच की याचिका वापस

जयपुर, 12 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एकल पट्टा प्रकरण

- याचिकाकर्ता रामशरण सिंह की ओर से उनके पुत्र सुरेन्द्र ने याचिका दायर की व कहा कि रामशरण सिंह का देहांत हो चुका है तथा उन्हें मामले में सुनवाई नहीं चाहिए। उनके आग्रह पर राजस्थान हाई कोर्ट ने याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।

की जांच सीबीआई से कराने के संबंध में दायर याचिका को वापस लेने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गैर आर.ए.एस. से आई.ए.एस. पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक जारी

जयपुर, 12 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने गैर आर.ए.एस. से आई.ए.एस. के पदों पर की जा रही पदोन्नति प्रक्रिया पर लगी रोक 31 जुलाई तक बढ़ा दी है। इसके साथ ही अदालत ने पूर्व में पूछे गए बिंदुओं पर जवाब पेश करने के लिए राज्य सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी जीतीं पंचायत चुनाव में

पर, जीत काफी खोखली है, क्योंकि, तृणमूल के वरिष्ठ नेता तक क्षुब्ध हैं, अनावश्यक, भारी हिंसा से

- हाई कोर्ट ने भी निर्णय दिया कि, चुनाव के नतीजे घोषित न किये जायें, जब तक न्यायालय उन सभी याचिकाओं का निस्तारण नहीं कर देता, जो चुनाव के बाद दायर की गयी हैं।
- एक और उल्लेखनीय बात यह नज़र आयी कि, मुसलमानों के वोट, तृणमूल से हटकर, अन्य इस्लामिक पार्टियों की ओर जा रहे हैं।
- यह ममता बनर्जी के लिए खतरे की घंटी है, क्योंकि गत चुनाव, जो ममता बनर्जी जीती थीं, में मुस्लिम मतदाता ने अपना खुला और पूरा समर्थन ममता बनर्जी की पार्टी को दिया था।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जुलाई। ग्रामीण चुनाव में अब तक अधिकृत रूप से घोषित परिणामों में तृणमूल कांग्रेस ने बाजी मार ली है लेकिन कलकत्ता हाई कोर्ट ने आज एक निर्णय दिया कि किसी परिणाम को तब तक अंतिम नहीं माना जाए, जब तक चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर कोर्ट कोई निर्णय पारित नहीं करता।

चुनाव हिंसा के बीच हुए थे, जिसमें गुंडे एकदम करीब से गोली मार रहे थे, भीड़ तलवारों से कार्यकर्ताओं को घायल कर रही थीं और विरोधियों की पीट-पीट कर हत्या कर रही थी।

ग्रामीण चुनावों में भारी पैमाने पर हिंसा तथा कई उम्मीदवारों एवं कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुईं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार भी चुनावी हिंसा में कम से कम 40 मौतें हुई हैं। दर्जनों अन्य सामान्य से गंभीर रूप से घायल हैं और कुछ घायलों की मौत हो सकती है।

स्थितियां इतनी विचित्र और हत्याएं इतनी नृशंस हुई कि तृणमूल के कट्टर नेताओं ने भी इस पर नाराजगी जताई। वरिष्ठ तृणमूल नेता और एक समय बंगाल के भाजपा प्रमुख के भाई सुगत रॉय ने निराशा जताई है।

पहले आई.पी.एस. अधिकारी रहे तृणमूल के एक और राजनेता ने पार्टी के गुंडों द्वारा फैलाई गई बेमतलब हिंसा की कड़ी आलोचना की।

इस बीच तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अब तक हिंसा की आलोचना में कुछ नहीं कहा है लेकिन हर तरफ से कटु आलोचना के बाद उन्होंने बेमन से कहा कि हिंसा में लिप्त सभी को सजा होगी।

बंगाल के ग्रामीण चुनाव के इस दौर का दूसरा पहलू यह है कि मुस्लिम मतदाता पुनर्गठित होने लग गया है। अब तक अल्पसंख्यक मुख्यतः तृणमूल कांग्रेस के साथ थे। अब यह स्पष्ट हो रहा है कि वे तृणमूल से विमुख होकर इस्लामिक पार्टी की ओर झुक रहे हैं।

एक युवा मुस्लिम कार्यकर्ता द्वारा आरंभ की गई इस्लामिक सेक्यूलर फ्रंट को काफी समर्थन मिला है। हालांकि यह पार्टी नई है लेकिन यह मतदाताओं पर सकारात्मक प्रभाव डाल रही है। यह घटनाक्रम ममता बनर्जी के लिए चिंताजनक है क्योंकि वे हाल के चुनाव अल्पसंख्यक समुदाय के मजबूत समर्थन के कारण जीती हैं। अब वह वोट टूट कर इस्लामिक पार्टी की ओर जा रहा है।

ममता बनर्जी के नेतृत्व में हुई हिंसा से इन आशंकाओं को बल मिला है कि आगे और क्या हो सकता है।

यह सही है कि माकपा के नेतृत्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा नेता की हत्या के मुख्य आरोपी की हत्या

भरतपुर, 12 जुलाई (निसं)। हलैना थाना क्षेत्र स्थित आमोली टोल प्लाजा पर बुधवार दोपहर करीब 12 बजे भाजपा नेता कृपाल जघीना हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुलदीप जघीना की फायरिंग कर हत्या कर दी गई। वहीं उसके साथ पेशी पर लाए जा रहे विजयपाल को घायल (फायरिंग में) होने पर इलाज के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा नेता कृपाल जघीना की हत्या के मुख्य आरोपी कुलदीप जघीना की बुधवार दोपहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसका एक साथी विजयपाल घायल हो गया। पुलिस कुलदीप व विजयपाल को कड़ी सुरक्षा में रोडवेज़ बस से जयपुर से भरतपुर ला रही थी। तब यह हादसा हुआ।

'चित मैं जीता, पट तू हारा'

भाजपा बहुत ''कम्फर्टेबल'' स्थिति में है आंध्र में

- भाजपा के दोनों हाथों में लड्डू इसलिये हैं कि, आंध्र की दो प्रमुख राजनीतिक पार्टियां, वाय.एस.आर. कांग्रेस व तेलुगू देशम, दोनों में जो जीते, वो भाजपा को पूरा समर्थन देने को तैयार हैं।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जुलाई। आंध्र प्रदेश, जिसने राज्य के दो टुकड़े कर देने के दण्डस्वरूप कांग्रेस को खारिज कर दिया था, में इस समय भाजपा स्वयं को सबसे ज्यादा सुविधाजनक ''चित हम जीते पट तुम हारे'' स्थिति में पा रही है। क्योंकि राज्य के दोनों प्रतिद्वंदी क्षेत्रीय दलों में केन्द्र में सत्तासीन पार्टी के गले लगने की होड़ लगी हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के लिहाज से, गुजरात और उत्तर प्रदेश को छोड़कर, भाजपा की राजनैतिक स्थिति देश के किसी भी राज्य में कितनी ही मुश्किल क्यों न हो, लेकिन आंध्र प्रदेश में वह साफतौर पर जीत रही है। इसके ऊपर इसका कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसके साथ मिलकर सत्तारूढ़ वाय.एस.आर.सी.पी. जीतती है या विपक्षी पार्टी तेलुगू देशम पार्टी।

ये दोनों ही क्षेत्रीय दल बुरी तरह भाजपा की चापलूसी कर रहे हैं क्योंकि भाजपा के साथ गठबंधन प्रभावी तो रहना ही है, इसलिए ये दोनों ही पार्टियाँ केन्द्र के सत्तारूढ़ दल की पिछलग्गू होने में ही संतुष्टि का अनुभव कर रही हैं। इसके अलावा, भाजपा भी इस बात को जानती है कि उसे अभी तो जड़ों पर प्रहार करना है, जैसा उसने तेलंगाना में किया था, जहाँ पिछली बार, 2019 में इसने चार लोकसभा सीटें जीती थीं।

लेकिन आंध्र प्रदेश में, भाजपा को अभी अपनी मौजूदगी दर्ज करनी है, लेकिन फिलहाल वह इस बात के सुनिश्चित होने से संतुष्ट है कि कांग्रेस वहाँ पुनर्जीवित नहीं हो रही। राज्य के अंदर, भाजपा का नहीं के बराबर असर है। वह इन दोनों में से किसी भी पार्टी के साथ बने गठबंधन पर सवारी कर सकती है तथा विभाजन के बाद छोटे हो गये इस राज्य की 25 सीटों में से चन्द सीटें जीत सकती है या फिर चुनाव हो जाने के बाद, विजेता सदस्यों को अपने बाड़े में ले सकती है।

इस समय, राज्य के 25 में से 22 लोकसभा सांसद सत्तारूढ़ वाय.एस.आर.सी.पी. के हैं तथा यह पार्टी केन्द्र में सत्तारूढ़ एन.डी.ए. का विधिवत हिस्सा हुये बिना, संसद में केन्द्र सरकार को समर्थन दे रही है। यह व्यवस्था दोनों ही दलों के अनुकूल है तथा यह सुरक्षित रूप से माना जा सकता है कि इसमें कोई विघ्न नहीं आयेगा।

तेलुगू देशम पार्टी जिसने उस मोर्चे में फिर से शामिल होने में अत्यधिक रूचि दिखाई है, जिससे वह 2019 में अलग हो गई थी तथा विधिवत केन्द्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी भी विपक्ष की एकता के लिए बैंगलुरु में आयोजित बैठक में भाग लेंगी

बैठक की पूर्व संध्या को, सोनिया गांधी विपक्ष के नेताओं के लिये भोज भी देंगी

- बैठक के लिये 24 विपक्षी दलों को मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से आमंत्रण भेजे गए हैं। इस बैठक में, विपक्ष के एकता मंच के राष्ट्रीय संयोजक का नाम निश्चित किया जाएगा।
- गौरतलब बात यह भी है कि, बंगाल के खूनी व हिंसात्मक पंचायत चुनाव के बाद पहली बार ममता बनर्जी, वामपंथी दल व कांग्रेस एक ही मंच पर मिलेंगे।
- विपक्षी दल इस बात से भी आशंकित हैं, जिस प्रकार भाजपा की प्रेरणा से शरद पवार की पार्टी विभक्त हो गई है तथा अजीत पवार का ग्रुप एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गया है। इससे विपक्ष पर दबाव है कि, वे जल्द से जल्द एकता प्राप्त करें, अन्यथा भाजपा बिहार व अन्यत्र भी यह ''एक्सपैरिमैंट'' दोहरायेगी।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जुलाई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. का मुकाबला करने के लिए संयुक्त मोर्चा बनाने हेतु विपक्षी पार्टियों की दूसरी बैठक सोमवार 18 जुलाई को बैंगलुरु में होगी, जिसके निमंत्रण 24 पार्टियों को भेजे गए हैं।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, जो बैठक में भाग लेने वाली हैं, कांग्रेस द्वारा बुलाई बैठक के एक दिन पहले विपक्षी नेताओं के लिए डिनर आयोजित कर सकती है।

सूत्रों ने बताया कि पार्टियाँ संयुक्त मोर्चे का नाम और संयोजक तय कर सकती है।

विपक्षी पार्टियों की पहली बैठक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आग्रह पर बिहार में हुई, जिसमें 15 पार्टियाँ मौजूद थीं, इसके बाद शरद पवार की एन.सी.पी. (नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी) में विभाजन हो गया और उनका भतीजा अजीत पवार एकनाथ शिंदे और भाजपा की गठबंधन सरकार में शामिल हो गया। इससे भगवा पार्टी को चुनौती देने का संकल्प और मजबूत हुआ, जो सत्ता में रहने के लिए गलत तरीके इस्तेमाल करती है।

एन.सी.पी. के विभाजन से अटकलें लगी थीं कि बिहार जैसे अन्य राज्यों में भी विपक्षी एकता खंडित हो रही है, इसलिए अधिकांश विपक्षी नेता आर.एस.एस. के समर्थन वाली भाजपा से खासे सतर्क हैं जिसने सत्ता में रहने के लिए सारी नैतिकता को कूड़ेदान में डाल दिया है।

ममता बनर्जी बंगाल के ग्रामीण चुनाव में कांग्रेस और वाम मोर्चे से मुकाबले के बाद इस पहली बैठक में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

SKIT
असतो मा सद्गमय
www.skit.ac.in
SWAMI KESHVANAND INSTITUTE OF TECHNOLOGY, MANAGEMENT & GRAMOTHAN
Engineering Branches Accredited by NBA & IE (I)
Recognized by UGC under Section 2 (f) of the UGC act 1956,
Approved by AICTE, New Delhi and affiliated to RTU, Kota
Swami Keshvanand (1883-1972)
ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC
CGPA 3.67 / 4.00
RANK NO. 1
First Rank in Engineering Program For 6 CONSECUTIVE YEARS by Rajasthan Technical University (RTU), Kota
For Choice Filling assistance SCAN THIS QR CODE
ADMISSIONS OPEN SESSION 2023-24
Sunday open 10.00 AM to 5.00 PM
Admission Helpline : 0141-3500326, 3500327, 3500328, 3500300,
B.Tech: 9694097634, 9314520693, 9928350928
M.Tech & Ph.D : 9314256263 | MBA : 9680080686
Courses Offered
B.Tech. REAP College Code 1031
• Civil Engineering
• Computer Science and Engineering
• Computer Science and Engineering (Artificial Intelligence)
• Computer Science and Engineering (Data Science)
• Computer Science and Engineering (IOT)
• Electrical Engineering
• Electronics and Communication Engineering
• Information Technology
• Mechanical Engineering
M.Tech. AICTE GATE SCHOLARSHIP Rs. 12,400 p.m. for GATE qualified candidates only
MBA With Dual Specialization
Ph.D • EE • CSE • ECE • ME • BUSINESS ADMINISTRATION
B.Tech. (Lateral Entry)
REAP 2023 Official Website : https://reap2023.com
Record Placements 850+ Batch 2023
Highest Package 47 LPA Batch 2023
Creating Winners for Life
Ramnagaria, Jagatpura, Jaipur-302017 (Rajasthan) | E-mail : admissions@skit.ac.in